स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं!

हौसला

श्रीनिर्मल विवेक स्कूल, हॉस्टल एवं पुनर्वास केन्द्र का मुखपत्र

वर्ष 17 अंक 36

अगस्त–2023

77 वें स्वतंत्रता-दिवस पर हार्दिक अभिनन्दन एवं शुभकामनाएं!

आई.सी.श्रीवास्तव
आई.ए.एस. (से.नि.)
अध्यक्ष

सम्पादकीय

मान्यवर,

हमारे संस्थान के गौरवशाली इतिहास में 18 अप्रेल 2023 का दिन एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ गया ! भारत के निवर्तमान राष्ट्रपति श्रीमान रामनाथ जी कोविन्द हमारे विशिष्ट बच्चों को आशीर्वाद देने हेतु संस्थान में पधारे ! राष्ट्रपति-भवन में महामहिम राष्ट्रपति से हुई मेरी भेंट के दौरान मैंने उन्हें हमारी संस्था के विशिष्ट बच्चों को आशीर्वाद देने हेतु जयपुर पधारने का अनुरोध किया था, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार भी कर लिया ! अचानक कोविड की त्रासदी से दो वर्ष का समय निकल गया। तत्पश्चात महामहिम का कार्यकाल पूर्ण हो गया लेकिन उन्होंने अपना वादा याद रखा। मेरे पुनः अनुरोध करते ही महामहिम जयपुर पधारे और हमारे विशिष्ट बच्चों को आशीर्वाद देकर हमें अनुगृहीत किया। कहते हैं निःस्वार्थ-निष्काम भाव से किए गए प्रयास सदा सफल होते हैं। माननीय कोविन्द साहब लगभग दो घंटे हमारे संस्थान में रहे और विशिष्ट बच्चों की गतिविधियों का बहुत रूचि-पूर्वक अवलोकन किया। संस्थान द्वारा विशिष्ट बच्चों के लिए किए जा रहे प्रयासों की महामहिम राष्ट्रपति ने भूरि-भूरि प्रशंसा की।

समाज के भामाशाहों के सहयोग से एवं संस्थान से जुड़े सभी महानुभावों के मनोयोग से हमारी संस्था सेवा-समर्पण और प्रगति के नित्य नये आयाम स्थापित कर रही है। आप सबके सहयोग एवं मार्गदर्शन का हार्दिक धन्यवाद। आशा है भविष्य में भी आपका सतत् सहयोग हमें प्राप्त होता रहेगा।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाओं सहित –

वी.सी.मेहता
उपाध्यक्ष

पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ जी कोविन्द द्वारा संस्था का अवलोकन

भारत के चौहदवें राष्ट्रपति माननीय श्री रामनाथ जी कोविन्द 18 अप्रेल 2023 को हमारी संस्था में

अवलोकन हेतु पधारे। पूर्व राष्ट्रपति महोदय का संस्था परिसर में संस्था के अध्यक्ष श्री आई.सी. श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष श्री वी.सी.मेहता के साथ संस्था के कार्यकारिणी-सदस्यों एवं विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने स्वागत किया। माननीय पूर्व राष्ट्रपति ने संस्था के संस्थापक स्व. श्री श्रीपाल चन्दजी मेहता एवं स्व. श्रीमती निर्मलाजी मेहता को पुष्पांजलि अर्पित की। महामाहिम ने विद्यालय में संचालित कक्षाओं, खिलौना बैंक, स्मार्ट रूम, म्यूजिक रूम एवं वी.टी.सी का अवलोकन किया एवं बच्चों के साथ बड़ी आत्मीयता से वार्तालाप किया। श्री आई.सी. श्रीवास्तव (अध्यक्ष) ने अपने स्वागत सम्बोधन में माननीय पूर्व राष्ट्रपति के

संस्था में आगमन पर हार्दिक आभार व्यक्त किया। संस्था के उपाध्यक्ष श्री वी.सी. मेहता ने संस्था के विकास और निरन्तर चल रही गतिविधियों की जानकारी दी। संस्था के विशिष्ट बच्चों के द्वारा एक नृत्य-नाटिका के माध्यम से पंचतन्त्र की कहानी की प्रस्तुति दी गई, जिसकी सभी ने सराहना की।

माननीय पूर्व राष्ट्रपति ने अपने उद्‌बोधन में संस्था के उपाध्यक्ष श्री वी.सी.मेहता के साथ अपने आत्मीय-सम्बन्धों का विशेष उल्लेख किया और आह्‌वान किया कि ये विशिष्ट बच्चे भी हमारे अपने हैं, इनका ध्यान रखना हमारी जिम्मेदारी है। ऐसे विशिष्ट बच्चों की सेवा करना मन्दिर, मस्जिद, चर्च, गुरूद्वारा जाने से भी ज्यादा बेहतर है। महामाहिम ने संस्था द्वारा किये जा रहे कार्यों की भी सराहना की।

अभिभावकों के लिए

बच्चे चाहे दिव्यांग हो या सामान्य सभी को निस्वार्थ प्रेम मिलना ही चाहिए ऐसे में हमारा दायित्व बनता है कि अपने इन विशिष्ट बच्चों की भावनाओं और आवश्यकताओं को समझते हुए उनके साथ उचित व्यवहार करें। बौद्धिक-असक्षमता एक मानसिक स्थिति है जो जीवन भर बनी रहती है। प्रशिक्षण की वजह से समय के साथ कुछ सुधार संभव है। संस्था के 'केयर-ग्रुप' में ऐसे दिव्यांग बच्चे हैं जिनकी बौद्धिक-क्षमता अति सीमित है, जिसके कारण उनको अक्षर ज्ञान तो दूर, दैनिक जीवन की क्रियाओं के लिए प्रशिक्षित करना भी बहुत चुनौती-पूर्ण कार्य है। अभिभावक जब इन बच्चों को विद्यालय में प्रवेश हेतु लाते हैं तो उनको लगता है कि मेरा बच्चा कुछ महीनों में ही सामान्य बच्चों की तरह कार्य करना सीख जाएगा। ऐसा कोई चमत्कार संभव नहीं है कि बच्चा रातों-रात इन सभी गतिविधियों में पारंगत हो जाए। इसलिए बच्चों से इतनी ज्यादा अपेक्षाएँ नहीं रखें एवं वास्तविकता को स्वीकार करते हुए जीवन में आगे बढ़ें। मेरी कक्षा में ओम सिकरवार जो 'डाउन-सिन्ड्रोम' (सह बौद्धिक विकलांगता) से ग्रस्त बच्चा है। वह भरतपुर के ग्रामीण समुदाय से सम्बन्ध रखता है। जब वो पहली बार मेरी कक्षा में आया तो उसके पिता ने पूछा कि क्या मेरा बच्चा भी ठीक हो सकता है, मैं पूरी तरह हार चुका हूँ। उसके पिता ने बताया, ''ओम बिना बताए घर से बाहर चला जाता है, घर में किसी की बात नहीं मानता, स्वयं से अपना कोई काम भी नहीं करता। हमारे लिए इस बच्चे को पालना बहुत ही चुनौतीपूर्ण कार्य हो गया है''। अभिभावक की जानकारी के बाद और बच्चे के साथ संस्था के पूर्ण सहयोग एवं सतत् प्रयास के परिणाम-स्वरूप आज ओम दैनिक जीवन की लगभग सभी गतिविधियाँ पूरी कर लेता है एवं उसके व्यवहार में भी काफी सुधार आया है। इतना ही नहीं वह कक्षा में हर संभव दूसरे बच्चों की भी मदद करता है। एक विशेष शिक्षिका होने के नाते मेरा निवेदन उन सभी अभिभावकों से है कि वे अपने बच्चे को बोझ नहीं समझे बल्कि

उसकी जीवन-यात्रा में उसके सहयोगी बने।

प्रियंका चौधरी

कक्षा अध्यापिका:'केयर ग्रुप'

'डाउन-सिन्ड्रोम' जागरूकता दिवस'

श्रीनिर्मल विवेक विशेष विद्यालय में 'डाउन-सिन्ड्रोम' जागरूकता दिवस प्रतिवर्ष की भांति इस

वर्ष भी 21 मार्च को मनाया गया। यह कार्यक्रम विद्यालय के बच्चों एवं अभिभावकों की मौजदूगी में मनाया गया। इसका मुख्य उद्देश्य हमारे समाज को विकासात्मक विकलांगताओं के बारे में जागरूक करना है, ताकि इन बच्चों की आवश्यकताओं एवं विशेषताओं को समझा जा सके जिससे इनको सम्मान पूर्वक जीवन-यापन का अवसर मिल सके। 'डाउन-सिन्ड्रोम' गुणसूत्रीय विकृति है जो बच्चे के शारीरिक एवं बौद्धिक विकास को मुख्यतया प्रभावित करती है।

'ऑटिज्म' जागरूकता दिवस'

श्रीनिर्मल विवेक विशेष विद्यालय द्वारा 'ऑटिज्म' जागृति दिवस 02 अप्रेल 2023 को आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य 'ऑटिज्म' को लेकर फैली भ्रांति को दूर करना एवं समाज में

जागरूकता लाना है। अभिभावकों ने अपने बच्चों से सम्बन्धित समस्याओं के बारे में प्रश्न किए जिनका हमारे पुनर्वास कार्यकर्ताओं द्वारा संतोषजनक उत्तर दिया गया। इस जागरूकता कार्यक्रम में ऑटिज्म-ग्रस्त बच्चों के. अभिभावकों ने अपने बच्चों की परवरिश के बारे में अनुभव भी साझा किये।

अभिभावक-परामर्श बैठक

6 मई 2023 को संस्था में अभिभावक परामर्श बैठक का आयोजन किया गया जिसकी प्रमुख

वक्ता श्रीमती सलमा खान 'काउंसलिंग साइकोलोजिस्ट, द सहाय काउंसलिंग सेन्टर जयपुर' से थी। इस परामर्श चर्चा का मुख्य

उद्देश्य नकारात्मक विचारों को समाप्त कर सकारात्मकता की ओर अग्रसर करना था। उन्होंने अभिभावकों को प्रोत्साहित किया कि अपने व्यस्त समय में से कुछ समय खुद के लिए निकालें जिससे कि वे उर्जावान महसूस करें और नये जीवन-कौशल सीख सकें। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि अभिभावक बड़े धैर्य-पूर्वक अपने दिव्यांग बच्चों की देखभाल करें और अपने बच्चों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताएं जिससे उनको अपनी और अपने बच्चों की अन्तः क्षमताओं का ज्ञान हो सके।

ग्रीष्मकालीन-शिविर

संस्था द्वारा संचालित श्रीनिर्मल विवेक विशेष

विद्यालय, द्वारा इस वर्ष ग्रीष्म-कालीन अवकाश के दौरान एक सप्ताह के ग्रीष्म-कालीन-शिविर का आयोजन किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य अभिभावकों को बच्चों एवं संस्था की गतिविधियों से जुड़ाव करना था। ग्रीष्म-कालीन-शिविर में विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

इन गतिविधियों को प्रतिदिन करवाने की जिम्मेदारी स्वयं-सेवकों एवं अभिभावकों को दी गई थी। ''स्वाध्याय योग-साधना केन्द्र'' से आये हुए योग प्रशिक्षित स्वयं-सेवकों द्वारा हमारे दिव्यांग बच्चों एवं अभिभावकों को योग करवाया गया। इस ग्रीष्म-कालीन-शिविर में एक सप्ताह के दौरान अभिभावकों के मध्य आपस में घनिष्ठता देखी गई साथ ही बच्चों को लेकर अभूतपूर्व सहयोग की भावना नजर आई।

।। श्रद्धांजलि सन्देश।।

संस्था के भामाशाह स्व. श्री प्रकाश चन्द जी हीरावत का 3 मई 2023 को आकस्मिक निधन हो गया। श्रीनिर्मल विवेक परिवार स्व. श्री प्रकाश जी हीरावत को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

हमारी संस्था में अध्ययनरत वी.टी.सी. के छात्र पीयूष गर्ग की माता जी का 29. अप्रेल 2023 को आकस्मिक निधन हो गया। श्रीनिर्मल विवेक परिवार पीयूष गर्ग की स्व. माता जी को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

प्रकाशक एवं मुद्रक

Society for Welfare of Mentally Handicapped

Managing: ★**ShreeNirmal Vivek Special School & Hostel**
★**"SAMARTH" Vocational Training Centre (VTC)**
★**ShreeNirmal Prerana Institute of Special Education & Research**

4-A, J.L.N.Marg, Behind Dainik Bhaskar, Jaipur - 302015,Ph.:0141-2711683, website: www.shreenirmalvivek.org
Delhi Address: S-247, Greater Kailash Part -2, New Delhi-110048 (Mob. 9810088299)